रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 6 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 247 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सीएम ने काजीरंगा नेशनल पार्कका किया भ्रमण,चाय बागान भी देखा

एमपी और असम के बीच वन्य जीव पर्यटन में बढ़ेगी साझेदारी

डॉ. मोहन यादव बोले- इसके लिए की जाएगी विशेष पहल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असम प्रवास के दौरान रविवार को विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और चाय बागान का भ्रमण किया। उन्होंने बागान में चाय उत्पादन की प्रक्रिया का अवलोकन कर स्थानीय किसानों और श्रमिक बहनों से आत्मीय संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चाय उद्योग असम का गौरव और अर्थव्यवस्था का प्रतीक है। परिश्रम, अपनत्व एवं सादगी की धरती असम और मध्यप्रदेश के बीच व्यापार-उद्योग के साथ ईको-टूरिज्म, वन्य जीव पर्यटन की दिशा में भी परस्पर सहयोग, विश्वास और साझेदारी को बढ़ाने के लिए विशेष पहल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संरक्षण की मनमोहक झलक देखी एवं हाथियों को स्नेह से गन्ना खिलाकर दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां वन्यजीवों के संरक्षण संवर्धन के लिये नवाचारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उद्यान भ्रमण के दौरान अजगर को प्राकृतिक आवास में छोड़ा। उल्लेखनीय है कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडे सहित पूर्वी हिमालयी जैव विविधता का केन्द्र है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व-धरोहर घोषित किया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर डॉ. प्रवीण सोनी निलम्बित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिविल अस्पताल परासिया, जिला छिंदवाड़ा में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही डॉक्टर सोनी और दवा निर्माता कंपनी के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कार्यवाही करते हुए आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। डॉ. सोनी द्वारा निजी प्रैक्टिस के दौरान उपचार के लिए आए शिशुओं के उपचार में गंभीर लापरवाही बरतने और अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से नहीं करने के परिणामस्वरूप, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) के अंतर्गत यह कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि डॉ. सोनी द्वारा निजी प्रैक्टिस के दौरान शिशुओं को ऐसी दवाइयां पर्चे पर लिखी गई, जिसका सेवन करने के बाद शिशुओं को तेज बुखार और पेशाब में कठिनाई हुई तथा शिशुओं की किडनी पर विपरीत प्रभाव पड़ा।

बंटवारे के बाद सिंधी भाई पाकिस्तान नहीं गए:भागवत

- कहा-वे अविभाजित भारत आए, जो घर छोड़कर आए, कल वापस लेकर फिर डेरा डालना है

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि बंटवारे के बाद सिंधी भाई पाकिस्तान नहीं गए। वे अविभाजित भारत आए, मुझे इस बात की खुशी है। जो हम घर का कमरा छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है। संघ प्रमुख ने भाषा विवाद पर कहा- भाषा अनेक है, भाव एक ही होता है। मूल भाषा से ही निकली हैं अनेक भाषाएं। सारी भाषाएं भारत की राष्ट्र भाषा हैं। हर नागरिक को 3 भाषा कम से कम आनी चाहिए। घर, राज्य और राष्ट्र की भाषा आनी ही चाहिए। भागवत ने सतना में अपने प्रवास के दूसरे दिन रविवार को बाबा मेहर शाह दरबार की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया। बीटीआई ग्राउंड में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हम सब एक हैं। सभी सनातनी और हिंदू हैं। एक अंग्रेज आया और टूटा हुआ दर्पण दिखाकर अलग-अलग कर गया। अपना अहंकार छोड़ो और स्व को देखो। काम की इच्छा पूर्ति के लिए अपने धर्म को न छोड़ो। देश के स्व को ले कर चले तो सारे स्व सध जायेंगे। इस दौरान दरबार प्रमुख पुरुषोत्तम दास जी महाराज, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, भोपाल के विधायक भगवान दास साबनानी, जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी और कई संत मौजूद रहे।

कोल्ड्रिफ सिरप कंपनी पर बड़े ऐक्शन की है तैयारी

एमपी में 11 बच्चों की जान गई,5 और संदिग्ध मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्री सन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इस कफ सिरप से मध्य प्रदेश में 32 दिन में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। इन सभी की उम्र 1 से 5 साल के बीच थी। हालांकि प्रशासन ने अब तक सिर्फ 11 मौतों की पुष्टि की है। कोल्ड्रिफ दवा की मैन्युफैक्चरिंग तमिलनाडु के कांचीपुरम में हो रही थी। अब इसे देश के तीन राज्यों (मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु) में बैन कर दिया गया है। देशभर में दवाइयों को कंट्रोल करने वाली संस्था दवा कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए तमिलनाडु फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को लिखेगा। तमिलनाडु के ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जांच में खुलासा हुआ है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में 48.6 फीसदी डाईथाइलीन ग्लॉयकाल की मिलावट है। यह एक जहरीला केमिकल है। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ से 11 मौतों की पुष्टि एमपी के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत हुई है।

पश्चिम बंगाल में 7 जगह लैंडस्लाइड, 18 की मौत

पुल टूटा, घर गिरे, मलबे में दबे लोग,सिक्किम से संपर्क कटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तेज बारिश के बाद शनिवार रात दार्जिलिंग में 7 जगह लैंडस्लाइड हो गई। मिरिक-सुखियापोखरी रोड के किनारे ढलान पर पहाड़ी का हिस्सा ढह गया। हादसे में कई घर टूट गए। अब तक 13 लोगों की मौत हुई है। लैंडस्लाइड के बाद रोड पर मलबा आने से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। वाहनों की आवाजाही और आसपास के कई इलाकों में कम्युनिकेशन टूट गया है। उधर मिरिक में एक लोहे का पुल भी टूट गया है। भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है। तीस्ता बाजार के पास बलुखोला में पानी भर जाने से सिलिगुड़ी को सिक्किम और कालिम्पोंग से जोड़ने वाला हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। दार्जिलिंग शहर का भी कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। अरब सागर में उठा पहला चक्रवात शक्ति गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि यह तूफान गुजरात के द्वारका से 420 किमी दूर समुद्र में ऐक्टिव है। इसकी वजह से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

पाकिस्तानी सेना के बाद रक्षामंत्री की भारत को धमकी

- कहा-अब जंग हुई तो भारत अपने ही फाइटर जेट्स के मलबे में दब जाएगा

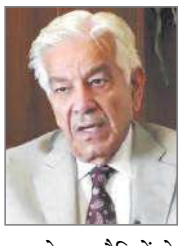

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकी देते हुए कहा है कि अबकी बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है। आसिफ ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली जानबूझकर तनाव बढ़ा रही है ताकि नागरिकों का ध्यान घरेलू चुनौतियों से भटकाया जा सके। इससे पहले पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को कहा था कि अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब देंगे।

इंदौर भामाशाह नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष पथ संचलन

पृष्ठ क्रमांक-5 पर पढ़े शेष खबर

किसानों की समस्याओं पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकातः भावांतर योजना पर आक्रामक रुख, आंदोलन की चेतावनी

दरबार सिंह ठाकुर

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से इंदौर स्थित आवास पर दशहरे की शुभकामनाएँ देने के बाद किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान जमीन अधिग्रहण, सोयाबीन, आलू, प्याज़ व लहसुन के कम भाव तथा 1 नवंबर से लागू होने वाली "भाव अंतर योजना" के खामियों पर विशेष रूप से बात की गई। कांग्रेस नेतृत्व ने केन्द्र/प्रदेश सरकार की नीतियों पर तीखा हमला करते हुए किसानों के संकट में पार्टी का संकल्प दोहराया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बैठक के दौरान स्पष्ट कहा, "सरकार मदमस्त है और किसानों की आवाज़ को अनदेखा कर रही है। हम उनकी समस्याओं को लोकसभा - विधानसभा और सड़कों दोनों जगह उठाएँगे और यदि जरूरत पड़ी तो आंदोलन के लिए भी मैदान में उतरेंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है और उनके हितों के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

इसी अवसर पर इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा जनपद पंचायत देपालपुर के पूर्व अध्यक्ष मोतीसिंह पटेल ने भावांतर योजना की कड़ी आलोचना की। पटेल ने कहा, "यह योजना किसानों के साथ छलावा है — इससे केवल व्यापारी लाभान्वित होंगे और किसान और अधिक हाशिए पर आ जाएंगे।" उन्होंने वर्ष 2017 के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार ने तब भी भावांतर योजना लागू की थी, जिसका भुगतान कई किसानों को आज तक नहीं मिला। मोतीसिंह पटेल ने आगे बताया कि रबी की बुवाई के लिए किसानों को खाद, बीज और दवाइयों की आवश्यकता होगी, जिसके चलते उन्हें अपनी सोयाबीन मंडियों में कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे भावांतर योजना के खिलाफ आगामी आंदोलन में भाग लें और सरकार को योजना निरस्त कर सोयाबीन का समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विवश करें।

मोतीसिंह पटेल का आह्वान

मोतीसिंह पटेल ने किसानों से विशेष अपील की-"सब किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे अपने दस्तावेज़ व पंजीकरण प्रमाण पत्र संभाल कर रखें और आगामी आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। हमें सरकार को यह समझाना होगा कि कृषि नीति केवल कागज़ों पर नहीं बल्कि खेतों में असर दिखाए।" उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अगुआई में यह मुद्दा स्थानीय से लेकर प्रदेश स्तर तक उठाएगी। कांग्रेस नेतृत्व और स्थानीय किसान नेता मिलकर भावांतर योजना तथा कम होती उपज कीमतों को प्राथमिकता के साथ उठा रहे हैं। 2017 के लंबित भुगतानों व आगामी 1 नवंबर से लागू योजना को लेकर किसानों में असंतोष दिख रहा है और यही कारण है कि आगामी दिनों में राजनीतिक-आंदोलन की तैयारी तेज़ हो सकती है। इस बीच प्रशासन व सरकार से जुड़ी संस्थाओं से अपेक्षा है कि वे किसानों के वास्तविक मुद्दों को समझें और समयबद्ध समाधान दें।

ओम महाशक्ति ग्रुप द्वारा नवदुर्गा उत्सव में शामिल श्रेष्ठ प्रस्तुतियो को किया पुरस्कृत

संजय प्रेम जोशी

22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में नवरात्रि पर्व उत्साह के साथ मनाया गया इस दौरान बागली नगर के बावड़ी चौराहा स्थित नवदुर्गा मंदिर परिसर में भी प्रतिदिन नई-नई प्रस्तुतियों के साथ गरबा उत्सव मनाया गया शाम होते ही यहां पर गरबा देखने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती आखिरी दिन गरबा प्रस्तुति के बाद अगले दिन सहयोग देने वाले कार्यकर्ताओं के साथ-साथ उत्कृष्ट गरबा करने वाली समितियां को सार्वजनिक रूप में सम्मानित किया गया इस अवसर पर ओम महाशक्ति ग्रुप के संचालक विपिन शिवहरे नगर परिषद अध्यक्ष सीमा यादव उपाध्यक्ष आरती विपिन शिवहरे सामाजिक नेत्री श्रीमती गीता चौधरी तथा समिति से जुड़े अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सहयोग करने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया। गौर तलब है कि ओम महाशक्ति ग्रुप द्वारा प्रतिवर्ष नवरात्रि पर्व में धार्मिक उत्सव बड़े जोर-जोर से संपन्न कराए जाते हैं। आखिरी दिन दशहरा पर्व पर यहां बड़ी मात्रा में गिलकी के भजिए बनाकर भी प्रसाद के रूप में वितरित किए।

स्वच्छता अभियान को पतीला लगा रहा है चापड़ा का शौचालय

संजय प्रेम जोशी

चापड़ा सुलभ शौचालय की दुर्दशा पेशाब करना तो दूर की बात खड़े रहना भी दुबार अंदर भरे हैं डोबने हॉट पिपलिया से संजय प्रेम जोशी की विशेष रिपोर्ट जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे मार्ग पर स्थित चापड़ा चौपाटी जहां से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में इंदौर हरदा इंदौर उदय नगर इंदौर बैतूल सहित देवास शाजापुर और अन्य क्षेत्र की निजी बसें यात्रियों को गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए गुजरती है लगभग सभी बसों का स्टाफ चोपड़ा में रहता है ऐसी स्थिति में कम से कम 500 से अधिक लोग लघु शंका के लिए चौपाटी पर प्रतिदिन उतरते हैं लेकिन यहां की सुलभ शौचालय व्यवस्था देखकर मोदी जी के स्वच्छता अभियान को सीधे-सीधे धक्का और धोखा लगता है। जबकि यह क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी का है। बैतूल और हरदा के यात्रियों ने बताया कि वह लघु शंकर के लिए जैसे ही यहां बने सुविधा घर में गए उन्हें उल्टी हो गई।

रणजीत टाइम्स

संघ के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन में दो लाख से अधिक स्वयंसेवक शामिल

- शहर में अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की अनोखी मिसाल दर्शाई गई

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को इंदौर शहर में इतिहास रच दिया गया। एक साथ 34 स्थानों से विशाल पथ संचलन निकाला गया, जिसमें दो लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पूरा शहर भगवा रंग में सराबोर नजर आया। संघ के सरसंघ कार्यवाहक अरुण कुमार भी इस भव्य आयोजन में शामिल हुए।

सुबह से ही शहर के चौराहों, कॉलोनियों और मार्गों पर राष्ट्रभक्ति का अद्भुत नजारा दिखाई दिया। महिलाएं छतों से पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत कर रही थीं, वहीं सड़कों पर रंगोलियों और भगवा ध्वजों से सजावट की गई थी। संघ के अनुशासन का यह दृश्य देख हर कोई प्रभावित हुआ। पथ संचलन सुबह 9 बजे से शुरू होकर शाम 3.30 बजे तक विभिन्न क्षेत्रों से गुजरता रहा। हर संचलन के साथ घोष दल भी शामिल था।

स्वयंसेवकों ने एक स्वर में ÷वंदे मातरम्÷ और भारत माता की जय के जयघोष लगाए। संघ के इस उत्सव में समाज के सभी वर्गों व्यापारी, उद्योगपति, शिक्षक, विद्यार्थी और पेशेवरों ने भागीदारी निभाई। संघ की 360 शाखाओं और 1800 मोहल्लों में तीन माह से इस आयोजन की तैयारियां की जा रही थीं। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी अभियान का संदेश भी दिया गया। जगह-जगह योगाभ्यास और बांसुरी वादन ने माहौल को और भव्य बना दिया। पथ संचलन के मार्ग पर नागरिकों ने मंच बनाकर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। शहर के प्रमुख क्षेत्रों एरोड्रम, तिलक पथ, विजयनगर और क्लर्क कॉलोनी में आकर्षक रंगोलियां और संघ के शताब्दी वर्ष के प्रतीक बनाए गए। पूरे शहर ने इसे राष्ट्रभक्ति और संस्कृति का उत्सव बताया। संघ के अनुशासन, एकता और सेवा भावना ने रविवार को इंदौर की जमीन को संघमय बना दिया।

नो पार्किंग में खड़े किए वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस की सख्त कार्रवाई

- 5 बसों पर कार्रवाई कर 10 हजार रूपए का जुर्माना वसूला

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर जिम्मेदार नागरिकों द्वारा आरएनटी मार्ग और पटेल ब्रिज क्षेत्र में नो पार्किंग में खड़े वाहनों की शिकायत की गई थी। इन पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा सयाजी होटल के पीछे स्थित मुक्तिधाम मार्ग पर नो पार्किंग क्षेत्र में खड़ी 5 बसों पर कार्रवाई कर 10 हजार का जुर्माना वसूला गया।

शिकायत मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) हिंदू सिंह मुवेल ने तुरंत क्रेन-सपोर्ट टीम को मौके पर भेजने के निर्देश दिए। टीम ने मौके पर पहुंचकर माइक से अनाउंसमेंट करते हुए क्षेत्र में भ्रमण किया और सभी अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटवाया। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नो पार्किंग क्षेत्र में अपने वाहन खड़े न करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। इस तरह की सक्रियता से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। बता दें, पुलिस द्वारा जारी की गई हेल्पलाइन में लगातार शिकायतें आ रही है। अधिकांश शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जा रहा है। 16 सितम्बर से अब तक ट्रैफिक पुलिस 80 से अधिक शिकायतों का निराकरण कर चुकी है। शेष बची शिकायतों का जल्द निवारण किया जाएगा।

पांच बसों पर कार्रवाई

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर और सुचारू बनाने के लिए यातायात पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त मनोज कुमार खत्री के निर्देशन में सयाजी होटल के पीछे स्थित मुक्तिधाम मार्ग पर नो पार्किंग क्षेत्र में खड़ी 5 बसों पर कार्रवाई करते हुए 10,000 का जुर्माना वसूला। कार्रवाई का नेतृत्व सूबेदार काजिम हुसैन रिजवी और उनकी टीम ने किया। ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन की सहायता से बसों और अन्य अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया और वहां मौजूद वाहन चालकों को माइक से अनाउंसमेंट कर समझाइश दी गई कि वे नो पार्किंग जोन में वाहन न खड़ा करें। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा इस क्षेत्र में वाहन खड़े किए गए तो प्रत्येक वाहन पर 5,000 का जुर्माना लगाया जाएगा और और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि यह क्षेत्र रिहायशी परिसर और मुख्य मार्ग से जुड़ा होने के कारण यहां बार-बार ट्रैफिक बाधित होता है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अधिकारी ने साफ शब्दों में कहा कि नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई के बाद भी बस मालिक नहीं माने तो बसें जब्त की जाएगी।

साइबर ठगों ने रिटायर्ड टीचर से 14 महीने में एलआईसी के नाम पर 97 लाख रू ठगे

इंदौर। रिटायर्ड शिक्षिका से साइबर अपराधियों ने 96 लाख 83 हजार 595 रुपये की ठगी की। वह 14 महीनों तक ठगों के संपर्क में रही और उनके इशारों पर खातों में राशि जमा कराती रहीं। पुलिस ने शुक्रवार रात अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ठग के सभी खाते फर्जी पाए गए हैं। सिम कार्ड भी दूसरों के नाम से मिले हैं। ठगी जूना रिसाला निवासी कुमारी पुष्पा ठाकुर के साथ हुई है। 67 वर्षीय पुष्पा सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक हैं। शिकायत में बताया कि 16 दिसंबर 2023 को राजीव शर्मा नामक व्यक्ति का कॉल आया था। उसने खुद को बीमा कंपनी का अधिकारी बताया और पुष्पा को दो बीमा पॉलिसी की जानकारी दी। उसने कहा कि एक पॉलिसी चालू है और दूसरी सरेंडर नहीं हुई है। एक लाख रुपये की राशि एनईएफटी कर दें, ताकि पॉलिसी की सरेंडर राशि खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

आरोपी ने बाकायदा ई-मेल आईडी भेजी और महिला से दस्तावेज भी मंगा लिए। आरोपी ने 7 फरवरी 2025 तक महिला से 96 लाख 83 हजार 595 रुपये जमा करवा लिए। ठग ने पॉलिसी बताकर ठगा महिला ने पुलिस को बताया कि उसने एसबीआई लाइफ से बीमा पॉलिसी ली थी। तीन साल तक 25 हजार रुपये जमा करती थी। बीच में रुपये जमा करना बंद कर दिए। कंपनी के कर्मचारी ने पॉलिसी सरेंडर करने की सलाह दी और 72 हजार रुपये मिले। मार्च 2020 में महिला ने 10 वर्ष के लिए दूसरी पॉलिसी ले ली।

16 दिसंबर 2023 को ठग का कॉल आया और कहा कि पॉलिसी सरेंडर नहीं हुई है। उसमें लाखों रुपये जमा हैं। शक है बीमा कंपनी से ही ग्राहकों के डेटा लीक हो रहा है। गिरोह ने 23 बार में 32 खातों में जमा करवा रुपये एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के अनुसार, ठगी का शिकार हुई महिला ने आरोपियों में राजीव शर्मा, अमित शर्मा, आर. गोस्वामी, एसके अहलुवालिया, सुब्रत बास, गुरमीत सिंह चंद्रा के नाम बताए हैं। ठग इनके नाम से ही कॉल लगाते थे। आरोपियों ने 23 बार में 32 खातों में रुपये ट्रांसफर करवाए हैं। 15 लाख 46 हजार तो बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से ट्रांसफर किए गए हैं।

आधारभूत सुविधाओं की कमी से फल-फूल रहे हैं पाखंडी धर्म गुरु

गोपाल गावंडे » रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक

हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फूल-फल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा। अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंतत- रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया।

भारत में आधारभूत सुविधाओं की कमी एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, और शहरी क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचे (जैसे सड़कें, पुल, आदि) में खामियाँ पाई जाती हैं। इसके मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में बाधाएँ, भ्रष्टाचार, कुशल प्रबंधन की कमी और मांग में वृद्धि हैं। ऐसे हालात देश में ढोंगी बाबाओं को पनपने का मौका देते हैं। ऐसे फर्जी बाबाओं, मौलवियों और पादरियों की सूची में एक नाम और जुड़ गया है। दिल्ली के इंस्टीट्यूट में यौन शोषण के मामला मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 17 छात्राओं ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के प्रबंधक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को देर रात कथित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के क्वार्टर में बुलाया जाता था। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला है और उस पर पहले भी 2009 और 2016 में छेड़छाड़ के केस दर्ज हो चुके हैं।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया। बाद में पकड़े गए और अब जेल की सलाखों के पीछे हैं या फरार हैं। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। गुरमीत को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की वजह से विवाद भी रहा है। हाल ही में, अगस्त 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी 14वीं रिहाई थी।

राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम को 2018 में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन पर सूरत की दो सगी बहनों से दुराचार, गवाहों पर हमला और हत्या जैसे गंभीर आरोप हैं। आसाराम का बेटा नारायण साईं भी सूरत की जेल में दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। हरियाणा के ही एक और बाबा संत रामपाल हिसार जेल में बंद हैं। सतलोक आश्रम चलाने वाले रामपाल पर देशद्रोह, शारीरिक शोषण, अवैध हथियार रखने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप हैं। जिसके बाद उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। स्वामी भीमानंद, जिन्हें इच्छाधारी बाबा के नाम से जाना जाता है। दिल्ली में देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में जेल में हैं। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली आश्रम चलाने वाले स्वामी परमानंद भी जेल में बंद हैं। उनके ऊपर 13 महिलाओं से

रेप के आरोप हैं।

सन 90 के दौर में धीरेंद्र ब्रह्मचारी के ऊपर अपनी गन फैक्ट्री में अवैध विदेशी हथियार रखने के आरोप लगे। एक तांत्रिक के रूप में विख्यात चन्द्रास्वामी के पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से गहरे संबंध थे। ईडी ने उनपर 13 मामलों में फेमा के उल्लंघन के मामले में 9 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई थी। लंदन के एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी के मामले में 1996 में चंद्रास्वामी को गिरफ्तार किया गया था। राजीव गांधी हत्या मामले में भी उनपर हत्यारों की वित्तीय मदद करने के आरोप लगे थे। राजस्थान के अलवर जिले में बहुचर्चित यौन शोषण के आरोपी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य उर्फ फलाहारी बाबाफलाहारी बाबा यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा हुई। इसके साथ ही कोर्ट ने एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मुंबई में राधे मां विवादों में रही। उन पर मिनी स्कर्ट पहनने, भक्तों के गले लगना, उनके साथ डांस करना, यही वजह है कि उनपर अश्लीलता फैलाने का भी आरोप लग चुका है। स्वामी नित्यानंद दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए जिसके बाद उनके समर्थकों ने खासा हंगामा किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने जमालुद्दीन उर्फ़ छांगुर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ़्तार भी किया। बलरामपुर ज़िले में उनके घर को बुलडोज़र से गिरा दिया। छांगुर बाबा पर धर्मांतरण, विदेशी फंड़िंग जैसे आरोप हैं। छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी की। बरेली की एक मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाले मौलाना ने मस्जिद की साफ सफाई करने वाली लड़की को जबरदस्ती पकड़कर उसके साथ गलत काम किया। लड़की द्वारा विरोध करने पर उसकी अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी गई। पुलिस ने आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर के गुलहरिया थानाक्षेत्र में एक मौलवी ने निकाह का वादा कर युवती के साथ शारीरिक संबंध भी बनाना शुरू कर दिया। जब युवती गर्भवती हो गई और निकाह का दबाव बनाने लगी तब मौलवी फरार हो गया। अलवर जिले में एक मौलवी की ओर से 5 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया।

इसी तरह स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। साल 2018 में जीरकपुर की एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उन पर एक और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। तब बजिंदर को लंदन जाते समय दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया था। साल 2023 में बजिंदर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईसाई पादरी को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय जॉन जेबराज के रूप में हुई जो कोयंबटूर के किंग जेनरेशन चर्च में पादरी था और केरल के इलाकों में भी धर्मोपदेश देता था। पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फूल-फल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा। अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंतत- रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

इससे पहले कथित संत आसाराम बापू के समर्थक ऐसी ही हिमाकत कर चुके हैं। जयपुर में वर्ष 2001 में बाबा जय राम दास के मामले में भी ऐसा ही हुआ। पुलिस ने इस बाबा को अपनी एक महिला भक्त की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगा। बाबा बीमारी जब के कारण अस्पताल में भर्ती हो गया तब सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उसके दर्शन करने पहुंच गई, यह जानते हुए भी इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। दरअसल देश में धर्म की आड़ लेकर लोगों के दुख–दर्द दूर करने का झांसा देने वाला बाबा अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं। ज्यादातर लोग गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी, सम्पत्ति और घरेलू विवाद के कारण बाबाओं की शरण में जाते हैं। इन समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी चुनी हुई सरकारों की है। सरकारें इनका निदान करने में नाकाम रही हैं। ऐसी समस्याओं से पीड़ित लोग ढोंगी बाबाओं के झांसे में आ जाते हैं। बाबाओं का यह जाल तब तक कायम रहेगा, जब तक सरकारें अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से पूरी नहीं कर पाती।

संपादकीय

फिर भी भारत ने रूस से तेल लेना जारी रखा...

अमेरिका ने जब अपनी शुल्क नीति की घोषणा की, तो उसका मकसद जितना अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करना था, उससे ज्यादा इसे प्रभावित होने वाले देशों पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया। सवाल है कि क्या अमेरिका की ओर से पहले पच्चीस और फिर पचास फीसद तक शुल्क लगाने की घोषणा का कारण यह था कि व्यापार वार्ता में भारत को अपनी शर्तों पर सहमत किया जाए? यह बेवजह नहीं है कि भारत ने अमेरिका के इस रवैये के सामने समर्पण करने के बजाय विकल्प की राह तैयार करने की कोशिश शुरू कर दी और अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वह कच्चे तेल के भारी आयात की वजह से भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए तत्काल उपाय करे। अमल के स्तर पर यह फैसला भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाओं की खरीद के स्तर पर सामने आ सकता है। इस वर्ष के आखिर में पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा के मद्देनजर उनके इस निर्देश की अहमियत समझी जा सकती है। दरअसल, अमेरिका ने न केवल शुल्क नीति की घोषणा की, बल्कि भारत पर दबाव बढ़ाने की मंशा से रूस से तेल आयात करने पर जुर्माना लगाने की भी बात कही। इसका आशय साफ था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे। इसके पीछे उद्देश्य चाहे जो हो, आज बहुध्रुवीय होते विश्व में इस तरह भारत जैसे एक संप्रभु और वैश्विक साख वाले देश को अपनी शर्तों पर संचालित कर पाना संभव नहीं हो सकता। यह विचित्र है कि अमेरिका ने इस मसले पर सहयोग और साझेदारी को केंद्र में रख कर नए

विकल्प निकालने, द्विपक्षीय हित और सम्मान आधारित आर्थिक संबंध पर विचार करने का रास्ता अख्तियार न करके, दबाव की रणनीति का सहारा लिया। मगर यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के संदर्भ में अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने के लिए जो रणनीति अपनाई जा रही थी, भारत ने प्रकारांतर से उसमें शामिल होने या किसी के सामने झुकने से इनकार कर दिया और रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। यों भी, तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका के हर फैसले को मानने के बजाय भारत के लिए अपने हित को प्राथमिकता देना ज्यादा जरूरी है।

जाहिर है, भारत की यह दृढ़ता रूस की नजर में महत्त्वपूर्ण होगी और इसीलिए उसने व्यापार संतुलन कायम करने की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से आकार देने की ओर कदम बढ़ाया है। भारत और रूस के बीच मित्रतापूर्ण संबंधों का एक लंबा दौर रहा है। विकट स्थितियों में भी दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या तनावपूर्ण स्थिति नहीं आई, जिसमें किसी पक्ष के भीतर संबंधों को लेकर कोई दुविधा हुई हो। बल्कि कूटनीतिक से लेकर सांस्कृतिक या आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों ने एक-दूसरे की प्राथमिकताओं, जरूरत पर आधारित नीतिगत फैसलों की संवेदनशीलता का हमेशा ध्यान रखा और अपनी सीमा के भीतर हर स्तर पर सहयोग किया। अमेरिका की ओर से दबाव बनाए जाने के बावजूद रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत का नहीं डिगना उसी कड़ी का एक हिस्सा है। रूस ने भारत के इस फैसले की अहमियत को समझा है और व्यापार संतुलन के लिए पुतिन के निर्देश को इसका संकेत माना जा सकता है कि आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अध्याय शुरू होंगे।

बैंकों में 1.84 लाख करोड़ रूपये की संपत्तियां अनक्लेम्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्ति बिना दावे के पड़ी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंन कहा कि अधिकरियों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि ये सही मालिकों तक पहुंचें। सीतारमण ने गुजरात के गाधीनगर से तीन महीने लंबी आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई और बैंकों व वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीतारमण ने कहा

कि उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे तीन ए, जागरूकता, पहुंच और कार्यवाही पर काम करें ताकि यह राशि सही हकदारों तक पहुंचे। पहला ए जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां पड़ा है, इस दस्तावेज के साथ आएं और इसे ले जाएं। आप राजदूत बन सकते हैं और लोगों को बता सकते हैं कि क्या उन्होंने अभी तक अपनी जायज संपत्ति का दावा नहीं किया है। बस उनसे कहें कि वे अपने दस्तावेज ढूंढ़ें और पोर्टल पर पंजीकरण कराएं। मंत्री ने आगे कहा कि, आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल या इस उद्देश्य के लिए बैंकों द्वारा बनाए गए स्टॉलों के माध्यम से, उन सही दावेदारों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीसरा ए एक्शन है, जहां आप (अधिकारी) जो कुछ भी आपके पास है। जैसे कागज के छोटे टुकड़े, उस पर कार्रवाई करते हैं।

यूडीजीएएम पोर्टल, दावा न की गई राशि ट्रांसफर हो सकती है

आरबीआई ने ष्ठन्नरू पोर्टल बनाया है, जिसके जरिए लोग अपनी अनक्लेम्ड जमा राशि का पता लगा सकते हैं। सीतारमण ने अधिकारियों से लोगों में जागरूकता फैलाने और उन्हें पोर्टल या बैंक स्टाल के माध्यम से संपत्ति वापस लेने में मदद करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने बताया कि अनक्लेम्ड राशि बैंक, आरबीआई या आईईपीएफ में सुरक्षित है और उचित दस्तावेज पेश करने पर इसे लिया जा सकता है। अगर संपत्ति लंबे समय तक दावा न की जाए तो यह एक संस्था से दूसरी संस्था में ट्रांसफर हो जाती है। सीतारमण ने गुजरात ग्रामीण बैंक की भी सराहना की, जिसने उन्हें आश्वासन दिया था कि उसके अधिकारी राज्य के प्रत्येक गांव में जाकर बैंक में पड़ी लावारिस जमा राशि के असली मालिकों की तलाश करेंगे।

6 करोड़ बच्चों को यूआईडीएआई का गिफ्ट, आधार में बायोमेट्रिक अपडेट अब एकदम फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। उसने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-1) के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस फैसले से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा होने की उम्मीद है। 1 अक्टूबर 2025 से यह छूट प्रभावी हो चुकी है। एक साल तक यह लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने 1 अक्टूबर 2025 से अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इससे लगभग 6 करोड़ बच्चों को एक वर्ष की अवधि के लिए लाभ मिलेगा। उनके बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद मिलेगी। यह फैसला 5-17 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट को प्रभावी रूप से मुफ्त बनाता है। इससे स्कूल में प्रवेश, स्कॉलरशिप और डीबीटी योजनाओं जैसी सेवाओं का लाभ उठाना आसान हो जाएगा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस कदम से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा मिलने की उम्मीद है। यह छूट 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है। यह छूट एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा। पहले, बायोमेट्रिक अपडेट के लिए शुल्क लिया जाता था। पहला और दूसरा एमबीयू अगर 5-7 और 15-17 वर्ष की आयु के बीच किया जाता था तो फ्री था।

क्या कहते हैं नियम

पांच साल से कम उम्र का बच्चा फोटो, नाम, जन्म तिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करके आधार के लिए नामांकन करते हैं। अब जब भी इन बच्चों को अपना बायोमैट्रिक अपडेट कराना होगा तो एक भी रुपये की फीस नहीं लगेगी। बच्चे के पांच वर्ष की आयु तक पहुंचने पर पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कराना होता है। यह अपडेट बच्चे के आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस और फोटो को शामिल करता है। इसी प्रकार बच्चे को 15 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर एक बार फिर से बायोमेट्रिक्स अपडेट करने की आवश्यकता होती है। इसे दूसरा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कहा जाता है।

एसआईपी के तीर से वित्तीय अनुशासनहीनता के 10 सिरों को हराएं

एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता पहल

मुंबई, एजेंसी।
नवरात्रि का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, और यह हमारे व्यक्तिगत संघर्षों - खासकर वित्तीय अनुशासन से जुड़ी जंग पर विचार करने का भी सही समय है। आपके पास इन सभी बुराईयों को हराने के लिए एक तीर होना चाहिए? एक साधारण मगर शक्तिशाली एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान)। निरंतरता और अनुशासन के साथ, आपका एसआईपी इन जंग को जीतने में मदद कर सकता है।

जैसे रावण कर हर सिर एक बुराई का प्रतीक था, वैसे ही नीचे दिए गए दस सिर सामान्य वित्तीय समस्याओं को दर्शाते हैं। आइए इन्हें पहचानें और इन्हें खत्म करें ताकि आपकी वित्तीय सेहत बेहतर हो।

1. **टालमटोल -मैं अगले महीने से निवेश शुरू करूंगा:** निवेश में देरी करना धन नष्ट करने का सबसे बड़ा कारण है। जितना देर करेंगे, उतना ही आप कंपाउंडिंग का लाभ खो देंगे। जल्दी शुरू करें, नियमित रहें, और म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करें ताकि कंपाउंडिंग और रुपये की लागत औसत का फायदा मिले।
2. **आपातकालीन फंड की कमी - जीवन की अनिश्चितताओं के लिए तैयार न होना:** अचानक होने वाली घटनाएं जैसे मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, प्राकृतिक आपदा–कभी भी आ सकती हैं। बिना इमरजेंसी फंड के आप वित्तीय और भावनात्मक तनाव में पड़ सकते हैं। आक्रामक निवेश से पहले एक सुरक्षा जाल बनाएं।
3. **आवेगपूर्ण खर्च ङ्क अनियोजित खरीदारी का दौर:** निवेश तोड़ना या तुरंत खुशी के लिए ज्यादा खर्च करना आपके वित्तीय लक्ष्यों को पटरी से उतार सकता है। जीवनशैली में सुधार ठीक है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। खर्च और अनुशासित निवेश में संतुलन बनाएं।
4. **बजट की कमी - आय और खर्चों की कोई स्पष्टता नहीं :** अगर आप अपनी आय और खर्चों का हिसाब नहीं रखते, तो बचत की योजना नहीं बना सकते। बजट बनाना वित्तीय अनुशासन की नींव है - यह आपको जरूरी चीजों, बचत और निवेश के लिए धन आवंटित करने में मदद करता है।
5. **कर्ज का जाल - क्रेडिट कार्ड बिलों का ढेर। :** अभी खरीदें, बाद में चुकाएं जल्दी ही कर्ज के जाल में बदल सकता है। क्रेडिट कार्ड के ब्याज आपके बचत को खा सकते हैं और निवेश में देरी कर सकते हैं।

कर्ज कम करें और उस धन को एसआईपी में डालें।

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

कंपनी के हाथ लगा 2 बड़ा वर्क ऑर्डर, ई-बस चार्जिंग स्टेशन का काम

मुंबई, एजेंसी। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दो बड़े वर्क ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। इन दोनों वर्क ऑर्डर की वैल्यू 1-1 करोड़ रुपये से अधिक की है। अब सोमवार को कंपनी के शेयरों पर नजर बनाए रखनी होगी। बता दें, हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ इसी साल अगस्त के महीने में आया था।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें पीएम-ई बस सेवा के तहत देवास नाका डिपो पर ई-बस चार्जिंग स्टेशन बनाना है। इस वर्क ऑर्डर की कुल वैल्यू 1.08 करोड़ रुपये की है।

दूसरा वर्क ऑर्डर भी कंपनी को चार्जिंग स्टेशन के लिए ही मिला है। यह वर्क ऑर्डर भी पीएम-ई बस सेवा के अंतर्गत आता है। नायता मुंडला में कंपनी को 1.96 करोड़ रुपये का काम मिला है।

हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर 80.11 रुपये के लेवल पर थे। कंपनी के आईपीओ का 52 वीक हाई 134.89 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 78.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 574.55 करोड़ रुपये का है। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ 5 अगस्त को खुला था। कंपनी का आईपीओ 7 अगस्त तक ओपन था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 65 रुपये से 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की लिस्टिंग बीएसई में 67.14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 117 रुपये पर हुई थी।

इंदौर भामाशाह नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष पथ संचलन

राजेश धाकड़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को इंदौर में जगन्नाथ जिले के भामाशाह नगर में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नगर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संघ प्रार्थना और ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात् सैकड़ों स्वयंसेवक हाथों में

दंड धारण कर "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के उद्घोष के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से गुज़रे। पूरा क्षेत्र देशभक्ति और संगठन की भावना से ओतप्रोत दिखाई दिया।।

पथ संचलन के दौरान स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। बच्चों, महिलाओं और युवाओं में भी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश देना रहा। इस अवसर पर नगर संघचालक, विभाग कार्यवाह, प्रांत प्रचारक सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में संघ के शताब्दी वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि संघ की विचारधारा देश की संस्कृति, संगठन और,आत्मनिर्भरता की प्रतीक है।

थैलेसीमिया सेवा सप्ताह एवं परिवार दशहरा मिलन समारोह!

खुशबू श्रीवास्तव

थैलासीमिया वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 5 अक्टूबर रविवार को 11:00 बजे इंदौर प्रेस क्लब में थैलेसीमिया दशहरा मिलन समारोह एवं थैलेसेमिया सेवा सप्ताह का उद्घाटन माननीय कैलाश विजयवर्गीय मंत्री स्थानीय प्रशासक एवं आवास मंत्री मध्य प्रदेश शासन के द्वारा किया गया इस अवसर पर श्री संतोष सत्य कुमार साल्वे परिवार चैतन्य रघुवंशी परिवार महेश शर्मा परिवार की ओर से थैलेसीमिया हॉस्पिटल को 5 लाख रुपए के उपकरण भेट किए जाएंगे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेंद्र पटवा विधायक श्री कृष्ण मुरारी मोगे पूर्व अध्यक्ष हाउसिंग बोर्ड बालकृष्ण छाप छाबचारिया वरिष्ठ समाज सेवी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, गोपी कृष्ण ने मां पूर्व विधायक, विशेष अतिथि प्रिंसिपल जी टोंग्या कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर शरद पंडित पूर्व संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग होंगे सेवा सत्ता के उद्घाटन समारोह में उपचार और उपचारात्मक डॉ अक्षय लाहोटी जीडीएस क्लीनिकल ट्रांसप्लांट फिजिशियन अस्सिटेंट प्रोफेसर एमजीएम मेडिकल कॉलेज उक्त जानकारी मध्य प्रदेश थैलासीमिया वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा सचिव श्रीमती वंदना शर्मा ने दी।

कलेक्टर और आबकारी आयुक्त एनएचआरसी के समन पर नहीं पहुंचे

कांग्रेस ने पारदर्शी जांच की मांग की, रहवासियों ने आयोग को दी आपत्ति

भोपाल (नप्र)। राजधानी की अरेरा कॉलोनी में चल रही सोम ग्रुप की शराब दुकान के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में चल रही सुनवाई के तहत भोपाल कलेक्टर और आबकारी आयुक्त को आयोग द्वारा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया था। आयोग ने दोनों अधिकारियों को 3 अक्टूबर 2025 को दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में उपस्थित होकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

आयोग को भेजे गए प्रतिवेदन में जिला प्रशासन ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की, लेकिन आयोग के समक्ष अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जांच प्रतिवेदन में रहवासियों के पक्ष को शामिल नहीं किया गया।

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि रहवासियों की बार-बार की गई शिकायतों के बावजूद उचित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि अरेरा कॉलोनी के आवासीय क्षेत्र में संचालित यह दुकान आर्य समाज मंदिर और अनुश्री नर्सिंग होम के पास स्थित है, जिसके कारण रहवासी असुविधा महसूस कर रहे हैं।

त्रिपाठी ने बताया कि इस संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 28 जुलाई 2025 को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान लेकर जिला प्रशासन से 15 दिनों में कार्रवाई प्रतिवेदन मांगा था। आयोग द्वारा 19 अगस्त को स्मरण पत्र भेजे जाने के बाद भी प्रतिवेदन समय पर प्राप्त नहीं हुआ, जिसके बाद समन जारी किया गया।

रहवासी लवनीश भाटी, सुनीता शर्मा, डॉ. अनुश्री गुप्ता और आचार्य शास्त्री ने भी आयोग को भेजे गए पत्र में बताया कि जांच के दौरान उनसे कोई बयान नहीं लिया गया। रहवासियों ने इस दुकान को बंद करने की मांग की है।

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस ने मांग की है कि इस शराब दुकान का लाइसेंस निरस्त किया जाए और जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए।

वर्ल्ड कप से पहले ही रोहित विराट का करियर होगा खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था.

शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है.

बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

केजरीवाल के शीशमहल में लोगों को भी मिलेगी एंट्री की अनुमति

रेखा सरकार की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शासनकाल में तैयार हुए उनके सरकारी निवास, जिसे भाजपा शीश महल कहती है, को रेखा गुप्ता सरकार कैफेटेरिया युक्त राज्य अतिथि गृह (स्टेट गेस्ट हाऊस) में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए योजना पूरी तरह तैयार हो चुकी है और बस उस पर अंतिम मुहल लगना बाकी है। इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि इस बंगले में जल्द ही शहर के अन्य राज्य भवनों की तरह पारंपरिक व्यंजन परोसने वाली एक कैंटीन शुरू हो सकती है। सबसे खास बात जो उन्होंने बताई वह यह कि यहां आम जनता के प्रवेश की अनुमति भी होगी, और वह भी इस स्थान का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा इस प्रस्ताव के अनुसार यहां एक पार्किंग स्थल, वेटिंग हॉल और अन्य सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा। हालांकि इस योजना को फिलहाल अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। जानकारी देते हुए कहा, सरकार सिविल लाइंस इलाके में फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित इस बंगला नंबर 6 में एक राज्य अतिथि गृह बनाने

के काम को अंतिम रूप देने के करीब है, जो पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के रूप खाली पड़ा था। इसमें एक फूड आउटलेट, पार्किंग और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उक्त अधिकारी ने आगे कहा, जिस तरह अन्य राज्य अतिथि गृहों में अधिकारी और मंत्री मीटिंग और ट्रेनिंग वर्कशॉप के लिए आकर ठहरते हैं और बदले में कमरों का किराया देते हैं, यहां भी ऐसा ही किया जाएगा। हालांकि इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। बंगले के रखरखाव के लिए फिलहाल वहां लगभग 10 लोगों का स्टाफ मौजूद है, जिन पर अलग-अलग कामों को करने की जिम्मेदारी है। इसमें रोजाना झाड़ू लगाना, सफाई करना और रेफ्रीजरेटर व एयर कंडीशनर जैसे बिजली के उपकरणों को नियमित रूप से चलाकर देखना व उनकी देखभाल करना शामिल है। इससे कुछ ही दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि शीश महल बंगला एक सफेद हाथी की तरह है और दिल्ली सरकार को अभी इसके भाग्य के बारे में फैसला करना बाकी है। गुप्ता ने कहा था, यह दिल्ली सरकार के पास सफेद हाथी की तरह पड़ा है और हम सोच रहे हैं कि इसका क्या किया जाए। यह वही बंगला है जिसे अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके आधिकारिक आवास के रूप में इस्तेमाल किया गया था। बता दें कि यह वही सरकारी बंगला है, जिसे भाजपा ने एक बड़ा मुद्दा बनाते हुए पूर्व सीएम केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे। भाजपा ने इसे शीशमहल नाम देते हुए इसके पुनर्निमाण के लिए केजरीवाल पर करोड़ों रुपए फूंकने का आरोप लगाया था। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि साल 2022 तक इस बंगले के पुनर्निर्माण पर लगभग 33.86 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

जेएलएन स्टेडियम में विदेशी कोचों को कुत्तों के काटने पर बोली पशु अधिकार कार्यकर्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में दो विदेशी कोचों को आवारा कुत्तों द्वारा काटे जाने पर एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट और पीपल फॉर एनिमल्स इंडिया की ट्रस्टी गौरी मौलेखी ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कड़ी आलोचना की है। गौरी मौलेखी ने एमसीडी पर दिल्ली में आवारा कुत्तों की आबादी की समस्या को संभालने में लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जेएलएन स्टेडियम में हालिया डॉग बाइट की घटना ने यह उजागर कर दिया है कि सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त के निर्देशों और दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे अवमानना मामले के बावजूद एमसीडी मोटी चमड़ी वाला बना हुआ है। उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। मौलेखी आरोप लगाया कि दिल्ली के 20 एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोजेक्ट्स भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं और इनमें से लगभग आधे को केंद्र सरकार से मंजूरी भी नहीं मिली है। उनके अनुसार, इन प्रोजेक्ट्स का डेटा और आंकड़े पारदर्शी नहीं हैं और आरटीआई से मिली जानकारी में भारी भ्रष्टाचार उजागर हुआ है।

गौरी मौलेखी ने यह भी दावा किया कि कई अनधिकृत एनजीओ आवारा कुत्तों को रिहायशी इलाकों से उठाकर दूसरी जगह छोड़ रहे हैं, जिससे डॉग बाइट की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कुत्ते क्षेत्रीय होते हैं और दूसरी जगह ले जाने से वे घबरा जाते हैं, जिससे काटने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने मांग की कि एमसीडी में एनिमल बर्थ कंट्रोल के प्रभारी अधिकारी को सस्पेंड किया जाए और कानून का पालन कराने के लिए एक ईमानदार अधिकारी नियुक्त किया जाए।

समुद्र की गहराई से निकला खजाना

मिला सोने-चांदी से लदा स्पेनिश जहाज

फ्लोरिडा , एजेंसी।
अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर गोताखोरों की एक टीम ने समुद्र के नीचे दबी 300 साल पुरानी स्पेनिश जहाज का खजाना खोज निकाला है। इस जहाज में सोने और चांदी के हजारों सिक्के दबे हुए थे, जिनकी कीमत करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.3 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह जहाज 1715 में आए एक भयंकर तूफान में डूब गया था और तब से समुद्र की गहराइयों में लापता था।

कहां मिला यह खजाना?

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा के अटलांटिक तट के पास गोताखोरों को यह खजाना मिला है। इस तटीय क्षेत्र को पहले से ही खजाना तट कहा जाता है, क्योंकि यहां पहले भी कई पुराने जहाजों के मलबों से खजाने मिल चुके हैं।

इस बार की खोज 1715 एलएलसीनामक कंपनी की टीम ने की है। उन्होंने समुद्र के तल से 1,000 से ज्यादा सोने-चांदी के सिक्के निकाले हैं। माना जा रहा है कि ये सिक्के स्पेनिश उपनिवेशों में ढाले गए थे – जहाँ अब मैक्सिको, पेरू और बोलीविया स्थित हैं।

इतिहासकारों के अनुसार, 31 जुलाई 1715 को 11 जहाजों का स्पेनिश बेड़ा अमेरिका से स्पेन की ओर खजाना लेकर जा रहा था। लेकिन रास्ते में फ्लोरिडा तट के पास भयंकर तूफान आया, जिसने बेड़े को तबाह कर दिया। उस हादसे में हजारों लोग मारे गए और टनों सोना-चांदी समुद्र में समा गया। तब से यह खजाना समुद्र के भीतर गुम था। गोताखोरों द्वारा मिले सिक्कों में से कई पर टकसाल और 1710 से 1715 के बीच की तारीखें खुदी हुई हैं। इससे इतिहासकारों को यह समझने में मदद मिलेगी कि उस दौर में स्पेनिश साम्राज्य का व्यापार और सोने-चांदी की ढलाई का नेटवर्क कैसा था। कंपनी के ऑपरेशन डायरेक्टर सैल गुट्रूसो ने कहा –यह सिर्फ खजाने की खोज नहीं, बल्कि इतिहास के एक भूले हुए अध्याय को उजागर करने जैसा है। हर सिक्का उस दौर के लोगों की कहानी कहता है। उन्होंने इसे एक असाधारण ऐतिहासिक खोज बताया, क्योंकि इतने ज्यादा सिक्के एक साथ मिलना बेहद दुर्लभ है। फ्लोरिडा राज्य कानून के अनुसार, राज्य की सीमा में पाए गए सभी ऐतिहासिक अवशेष और खजाने राज्य सरकार की संपत्ति माने जाते हैं। हालांकि, खोजकर्ता कंपनियों को वैध अनुमति दी जाती है, और बरामद सामग्री का 20त्न हिस्सा राज्य के म्यूजियम या सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए रखा जाता है। बाकी हिस्सा खोजकर्ताओं को दिया जा सकता है। यह खोज न केवल एक आर्थिक खजाना है, बल्कि इतिहास और पुरातत्व के लिहाज से भी बेहद कीमती है। इससे यह साबित होता है कि फ्लोरिडा के तट के नीचे अब भी कई खोए हुए खजाने छिपे हो सकते हैं, जिनका संबंध स्पेनिश साम्राज्य के स्वर्ण युग से है।

आईफोन और आईपेड के लिए 17 की उम्र में बेच डाली थी किडनी, अब डायलिसिस पर काट रहा जिंदगी

वाशिंगटन, एजेंसी। महज़ एक आईफोन 4 और आईपेड 2 खरीदने की सनक में की गई एक गलती आज 14 साल बाद भी चीन के वांग शांगकुन को दर्द दे रही है। 17 साल की जवानी में वांग ने अपनी एक किडनी अवैध बाजार में बेच दी थी। आज 31 साल की उम्र में वह पूरी तरह विकलांग हो चुके हैं और उनकी जिंदगी अब डायलिसिस मशीन पर निर्भर है। यह दिल दहला देने वाली घटना साल 2011 की है। गरीब परिवार से आने वाले वांग शांगकुन उस समय महज़ 17 साल के थे। आईफोन और आईपैड खरीदने के लिए वांग अंग तस्करों के झांसे में आ गए थे। तस्करों ने उन्हें एक किडनी के बदले 20,000 युआन (लगभग ढाई लाख रुपये) का लालच दिया था। वांग ने सोचा कि वह एक किडनी के सहारे आराम से जी लेगा। उन्हें हुनान प्रांत के एक छोटे शहर में ले जाया गया जहां असुरक्षित और ग़ैर-स्वच्छ स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद वांग को कोई सही देखभाल (पोस्ट-ऑपरेटिव केयर) नहीं मिली। पैसे हाथ में आते ही वांग गैजेट्स लेकर घर लौट आए। आईफोन की खुशी ज़्यादा दिन नहीं टिकी। कुछ ही महीनों में वांग की बची हुई दूसरी किडनी में इंफेक्शन हो गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि गैर-स्वच्छ सर्जरी की वजह से बैक्टीरिया उनके शरीर में फैल गया था। वांग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनकी किडनी अब सिर्फ 25त्न ही काम कर रही है। वहीं आज 31 साल की उम्र में वांग शांगकुन को अपनी पूरी ज़िंदगी डायलिसिस मशीन पर गुजारनी पड़ रही है। वांग शांगकुन की यह दर्दनाक कहानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसकी वजह यह है कि आईफोन 17 प्रो जैसे नए गैजेट्स की ऊंची कीमतों के चलते आज भी कई युवा ऐसी ही भयानक गलती करने की कोशिश कर रहे हैं और अंग तस्करी करने वाले गिरोहों के संपर्क में आ रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है।